भ्रमण आख्या

दिनांकः 29.06.2017–01.07.2017 **जनपद– मथुरा**

मिशन निदेशक महोदय द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में दिनांक 29.06.2017–01.07.2017 को सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु जनपद मथुरा का भ्रमण किया गया। टीम के अंतर्गत महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट, संयुक्त निदेशक अरबन हेल्थ, सलाहकार एन0सी0डी0 एवं सलाहाकार, प्रोक्योरमेंट द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसके अतिरिक्त जनपद मथुरा के डी0पी0एम0, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डी0सी0पी0एम0 द्वारा उक्त भ्रमण में सहयोग प्रदान किया गया।

जनपद मथुरा के 7 चिकित्सा इकाईयों का भ्रमण किया गया तत्पश्चात दिनांक 30 जून, 2017 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/अधीक्षिका एवं समस्त चिकित्सा अधीक्षक/प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। भ्रमण के दौरान निरीक्षण किये गये बिन्दुओं पर महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारियों को अवगत कराया गया। साथ ही सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये गये।

टीम–

1. डा0वेद प्रकाश, महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट।
2. डा0 एस0के0 गुप्ता, संयुक्त निदेशक, अरबन हेल्थ।
3. डा0 पी0के0 गंगवार, सलाहाकार, एन0सी0डी0।
4. पल्लवी पाण्डेय, परामर्शदाता प्रोक्योरमेंट।

सहयोग–

1. डा0 राजेन्द्र सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी।
2. डा0 दिलीप कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी।
3. श्रीमती पारूल, डी0पी0एम0।

चिकित्सा इकाई–

1. जिला चिकित्सालय, मथुरा
2. जिला महिला चिकित्सालय, मथुरा
3. जिला संयुक्त चिकित्सालय, व्रंदावन, मथुरा
4. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, फरा
5. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नगलापोला
6. नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कृष्णानगर, मथुरा
7. उपकेन्द्र–अचल, आदर्शनगर, मथुरा

निरीक्षण के मुख्य बिन्दु–

1. **प्रचार–प्रसार–**
   - राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमो से सम्बन्धित पोस्टर, सिटीजन चार्टर, ई0डी0एल0 एवं दीवार लेखन आदि यथा स्थान प्रदर्शित किये गये हैं।
   - ऑडियो/विजुअल एड टी0वी0 के माध्यम से प्रचार–प्रसार की सुविधा जिला चिकित्सालय मथुरा में उपलब्ध नहीं थी। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा बताया गया कि टी0वी0 एवं पेनड्राइव दो बार चोरी हो गये है। महाप्रबन्धक प्रोक्योरमेंट द्वारा जाँच कराने एवं नया सिस्टम लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया तथा उसकी रखवाली हेतु स्टाफनर्स को निर्देशित किया।

डा0 वेद प्रकाश
महाप्रबंधक, (प्रोक्योरमेण्ट)

2. वाहनों की स्थिति–

- राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत एक ही वाहन उपलब्ध है और एक ही वाहन से दो टीमें क्षेत्र में भ्रमण कर रही हैं। वाहन की कमी होने के कारण कार्यक्रम पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है एवं एन0आर0सी0 में संदर्भित रोगियों की संख्या कम है।
- अनुश्रवण एवं मूल्यांकन के अंतर्गत ब्लॉक स्तर पर वाहन की कमी न होने के कारण भी सहयोगात्मक पर्यवेक्षण नहीं किया जा पा रहा है।

महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट द्वारा निर्देशित किया गया कि डी0पी0एम0, डी0सी0पी0एम0 एवं जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा समय–समय पर नियमित पर्यवेक्षण (जिला स्तरीय) किया जाये।

3. एम्बुलेंस–

- चिकित्सा इकाइयों पर 102 व 108 एम्बुलेंस वाहनों की स्थिति संतोषजनक पाई गई।
- प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा समय–समय पर पिक एण्ड ड्रॉप रजिस्टर, पी0आर0सी0 रजिस्टर का पर्यवेक्षण किया जा रहा है।
- ए0एल0एस0 में स्थापित वेंटिलेटर एवं डेफ्रीब्रेटर का संचालन करने में एम्बुलेंस कीपर प्रशिक्षित नहीं पाया गया। अतः एम्बूलेंस कीपर की ट्रेनिंग कराए जाने की आवश्यकता है। महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट द्वारा श्री योगेन्द्र सिंह भदौरिया, जी0वी0के0ई0एम0आर0आई0 प्रोग्राम मैनेजर को नियमित प्रशिक्षण हेतु निर्देशित किया गया।

4. शहरी स्वास्थ्य–

- नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र, कृष्णा नगर के मेडिकल ऑफीसर डा0 गोपाल सरस्वत आउटरीच कैम्प में उनके द्वारा एक दिन में 120 मरीज देखे गये। मेडिकल कन्यूमेंबिल्स/दवाइयां उपलब्ध थी।
- आउटरीच कैम्प, शहरी स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात चिकित्सकों एवं कर्मचारियों द्वारा आयोजित किया जा रहा था, उसके लिए पृथक रूप से स्टॉफ नियुक्त नहीं किया गया था।

5. नियमित टीकाकरण–

- सम्पूर्ण टीकाकरण का औसत वर्ष 2012–13 के 70 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2016–17 में 56 प्रतिशत रह गया है, जो कि चिन्ताजनक है।
- वी0एच0एन0डी0 सत्र में आइस पैक को वैक्सीन कैरियर से बाहर निकालना है या नहीं इसकी जानकारी ए0एन0एम0 को नहीं थी।

महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट द्वारा अवगत कराया गया कि नियमित टीकाकरण दिशा–निर्देश का पालन करते हुए वी0एच0एन0डी0 सत्र में एक आइस पैक को बाहर निकालकर पोलियो, मीजिल्स एवं बी0सी0जी0 को उसके ऊपर रखा जाये। इस सम्बन्ध में समस्त कार्यकत्रियों, पर्यवेक्षकों एवं चिकित्सा अधिकारियों को प्रशिक्षित किये जाने की आवश्यकता है।

- सर्वेक्षण एवं अनुश्रवण की व्यवस्था नहीं है।
- मिस्ड नियमित टीकाकरण सत्रों को आयोजित करने की कोई योजना नहीं है।
- वर्ष 207–18 में नियमित टीकाकरण के इंसेन्टिव का भुगतान आशाओं को नहीं किया गया है। गत वर्ष भी भुगतान अधूरा था।
- सी0एच0सी0, राल में जन्म के समय दी जाने वाली खुराकों की व्यवस्था नहीं है।
- आई0एल0आर0 में टीकों का रख–रखाव सही प्रकार से नहीं था। संबंधित कर्मचारियों को इस संबंध में ज्ञान नहीं है।
- पेरी अरबन एरिया में विस्तार होने के कारण पल्स पोलियो कार्यक्रम में अतिरिक्त तीन दिवसों की आवश्यकता है, परन्तु इसका अनुमोदन राज्य स्तर से प्राप्त नहीं है।

प्रकाश
(प्रोक्योरमेण्ट)

6. **ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस–**

- उपकेन्द्र–रावल, सामु0स्वा0केन्द्र– नगलापोला तथा उपकेन्द्र गोकुल में आयोजित ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के दौरान नियमित टीकाकरण किया जा रहा था। नियमित टीकाकरण की स्थिति ठीक है। ए0एन0एम0 द्वारा एच0आर0पी0 रजिस्टर समय से भरा जा रहा है।

7. **मातृ स्वास्थ्य / जे0एस0वाई0**

- **जिला चिकित्सालय, मथुरा में** लेबर रूम अव्यवस्थित पाया गया, सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी, दीवारें टूटी–फूटी थी तथा दीवारों में सीलन थी, टूटा एवं गीला बिजली बोर्ड दीवार में लगा हुआ था,
- डिलीवरी टेबल्स के बीच में पार्टीशन / पर्दे नहीं हैं।
- औषधि ट्रे में औषधियाँ उपलब्ध नहीं थीं।
- सी0एच0सी0 राल में प्रसव रजिस्टर नहीं भरा जा रहा है।
  डा0 नीता जैन जो कि पी0एम0एस0 सवर्ग की स्थाई चिकित्सा अधिकारी हैं, ई0एम0ओ0सी0 प्रशिक्षण हेतु इच्छुक हैं, परन्तु उन्हें यह अवसर प्राप्त नहीं हुआ है। नियमानुसार प्रशिक्षण हेतु नामित किया जा सकता है।

उपकेन्द्र अचल परीक्षण केन्द्र

- लगभग 100 प्रसव प्रतिमाह होते हैं, परन्तु आधारभूत सुविधाओं का अभाव है ।
- केवल एक ए0एन0एम0 नियुक्त है, जिसे टीकाकरण हेतु बाहर भी जाना पड़ता है।
- खाने पीने एवं रुकने की व्यवस्था नही है। पेयजल एवं हाथ धोने के लिए नल द्वारा जलापूर्ति नहीं है।
- शैय्याओं हेतु चादरें उपलब्ध नहीं हैं।
- साफ–सफाई की कोई व्यवस्था नहीं है। डिलीवरी टेबिल एवं उस पर मैकेन्टास अत्यंत दयनीय अवस्था में है।
- यदि उपकेन्द्र पर उपरोक्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित नहीं की जा सकती हैं तो उचित होगा ि कि इस प्रसव इकाई को समाप्त करते हुए समीपवर्ती सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।
- प्रसव कक्ष में औषधि ट्रे में औषधियों की उपलब्धता नहीं थी, जबकि चिकित्सालय के औषधालय में औषधि उपलब्ध थी। महाप्रबन्धक प्रोक्योरमेंट द्वारा निर्देशित किया गया कि औषधि ट्रे में औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।
- जिला महिला चिकित्सालय में रेडिएन्ट वार्मर क्रियाशील नहीं था, जबकि मासिक प्रसव भार 250–300 है। उपकरण की मरम्मत अथवा दूसरा वार्मर उपलब्ध कराने हेतु कोई प्रयास नहीं किये गए।

8. **जिला चिकित्सालय स्थित भंडार कक्ष–**

   एक कक्ष में बड़ी संख्या में आई0वी0 स्टैंड, ई0सी0जी0 हेतु टी0एम0टी0 (ट्रेडमिल) एवं कीमती उपकरण बंद हैं एवं सीलन तथा जलभराव के कारण नष्ट / निष्प्रयोज्य हो गए हैं। उपकरणों को आवश्यकतानुसार विभागों को वितरित नहीं किया गया।

9. **मैकेनाइज क्लीनिंग की स्थिति–**

- मैकनाइज क्लीनिंग का कार्य सन फैसिलिटी प्रा0लि0 द्वारा किया जा रहा है। कार्य संतोषजनक नहीं था। ज्ञात हुआ कि दिन में केवल एक बार चिकित्सालय परिसर की सफाई की जाती है।

डा0 वेद प्रकाश
महाप्रबंधक, (प्रोक्योरमेण्ट)

- स्वच्छता एवं रख–रखाव हेतु सफाई कर्मियों के पास कोई समय सारणी चार्ट उपलब्ध नहीं है। मैकनाइज क्लीनिंग की मॉनीटरिंग नहीं हो रही है। महाप्रबन्धक प्रोक्योरमेंट द्वारा निर्देशित किया गया कि मैकनाइज क्लीनिंग हेतु स्वच्छता चार्ट एवं ड्यूटी चार्ट बनाया जाए, जिसका समय–समय पर पर्यवेक्षण मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा किया जाए।

10. आर0बी0एस0के0 की स्थिति–

- जिला कार्यक्रम प्रबन्धक द्वारा अवगत कराया गया कि आर0बी0एस0के0 भ्रमण हेतु प्रत्येक ब्लॉक पर एक ही वाहन उपलब्ध है, जिसका कार्यक्रम पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। निर्देशित किया गया कि तत्काल नियमानुसार वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

11. आर0के0एस0 की स्थिति–

राज्य स्तर से मुद्रित करा कर दिये गये आर0के0एस0 रजिस्टर का प्रयोग किया जा रहा है। अलग से रजिस्टर बनाकर उस पर कार्यवाही आदि लिखा जा रहा है, परन्तु कार्यवाही आदि को आर0के0एस0 रजिस्टर पर दोबारा लिखा जाता है। निर्देशित किया गया कि आर0के0एस0 रजिस्टर में कार्यवाही आदि लिखा जाए अलग से रजिस्टर बनाने की आवश्यकता नहीं है।

उपरोक्त दिवसों में मुख्यालय से बाहर होने के कारण मुख्य चिकित्सा अधिकारी से चर्चा नहीं हो सकी। निरीक्षण किये गये बिन्दुओं पर चर्चा के उपरांत कायवाहक मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा आश्वस्त किया गया कि दिये गये सुझावों पर अमल कर सुधार लाया जायेगा। इस सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों/कर्मचारियों को भी निर्देशित किया गया।

डा0 वेद प्रकाश
क. (प्रोक्योरमेण्ट)